पंजाब केसरी
SAT,02 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

बी.पी.एस. में चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर प्रारंभ

कार्यक्रम में अतिथियों के साथ मंचासीन मुख्य अतिथि प्रो. सुदेश। *(अरोड़ा)*

गोहाना, 1 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर का शुक्रवार को शुभारम्भ हो गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसीपल सुमिता सिंह ने की। मुख्य अतिथि वी.सी. प्रो. सुदेश रहीं।

प्रो. सुदेश ने आर्य वीरांगना दल सोनीपत का धन्यवाद करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए किसी भी प्रकार के प्रयोग के लिए कन्या गुरुकुल और महिला विश्वविद्यालय से बढ़कर कोई अन्य स्थान नहीं हो सकता है।

शिविर के माध्यम से छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा होगा और उनके व्यक्तित्व का विकास होगा। आर्य समाज का अध्ययन हमेशा मानवता के विकास के लिए मिलेगा। महिला विश्वविद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कारों का भी समावेश है।

डॉ. नरेश भार्गव ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय की पहचान कन्या गुरुकुल से है। विदेशों में भी हमारी स्नातिकाएं कन्या गुरुकुल के संस्कारों के साथ आगे बढ़ रही हैं। डॉ. भार्गव ने आर्य शब्द का अर्थ उत्कृष्ट, सम्माननीय और मानवता के कल्याण के लिए बताया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच का नाम आर्य है।

शिविर में सार्वदेशिक आर्यवीर दल के प्रदेश सह संचालक संदीप आर्य, आर्य वीर दल के जिला सोनीपत संचालक भगत सिंह, आर्य वीरांगना दल से पूनम भूटानी आदि भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रा संघ द्वारा कन्या गुरुकुल की छात्राओं के लिए खेल का सामान भी भेंट किया गया।

इस अवसर पर डीन स्टूडैंट वैलफेयर प्रो. श्वेता सिंह और यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल की प्रिंसीपल डॉ. सरोज सिंह भी मौजूद रहीं।

सकारात्मक सोच का नाम है आर्य

गोहाना, 1 अगस्त (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर का आज शुभारम्भ हुआ जिसकी अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्य सुमिता सिंह द्वारा की गई तथा उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शिरकत की। उन्होंने आर्य वीरांगना दल का धन्यवाद करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए किसी भी प्रकार के प्रयोग के लिए कन्या गुरुकुल व महिला विश्वविद्यालय से बढ़कर कोई अन्य स्थान नहीं हो सकता है। कुलपति ने कहा कि आर्य समाज का अध्ययन हमेशा मानवता के विकास के लिए मिलेगा। डॉ. भार्गव ने आर्य शब्द का अर्थ उत्कृष्ट, सम्माननीय और मानवता के कल्याण के लिए बताया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच का नाम आर्य है। पांच दिवसीय शिविर में सार्वदेशिक आर्यवीर दल हरियाणा के सह संचालक संदीप आर्य, आर्य वीर दल के जिला सोनीपत संचालक भगत सिंह , जिला संचालिका आर्य वीरांगना दल सोनीपत पूनम भूटानी , प्रधान आर्य समाज सोनीपत रविंद्र आर्य , सचिव आर्य वीर दल सोनीपत दीपक आर्य ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रा संघ द्वारा कन्या गुरुकुल की छात्राओं के लिए खेल का सामान भी भेंट किया गया। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो श्वेता सिंह व यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल की प्राचार्य डॉ. सरोज सिंह भी मौजूद रही।

मानवता के विकास के लिए मिलेगा आर्य समाज का अध्ययन

गोहाना | बीपीएस महिला विवि के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में छात्राओं के लिए पांच दिवसीय चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर शुरू हुआ। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर किसी भी प्रकार के प्रयोग के लिए कन्या गुरुकुल व महिला विवि से बढ़कर कोई अन्य स्थान नहीं हो सकता। इस शिविर के माध्यम से छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा होगा और उनके व्यक्तित्व का विकास होगा। उन्होंने कहा कि आर्य समाज का अध्ययन हमेशा मानवता के विकास के लिए मिलेगा। महिला विवि में भी शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश है। मुख्य वक्ता डॉ. नरेश भार्गव ने कहा कि महिला विवि की पहचान कन्या गुरुकुल से है। आजादी से पूर्व महिला शिक्षा व महिला कल्याण के लिए शुरू किया गया कन्या गुरुकुल देश के कोने कोने में अपनी पहचान बनाए हुए है। विदेशों में भी हमारी स्नातिकाएं कन्या गुरुकुल के संस्कारों के साथ आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने आर्य शब्द का अर्थ उत्कृष्ट, सम्माननीय और मानवता के कल्याण के लिए बताया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच का नाम आर्य है। इस कार्यक्रम का अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य सुमित सिंह ने की।

APPRENTICESHIP MOU SIGNED

Sonepat: A MoU was recently signed between Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, and the Ministry of Education's undertaking Board of Apprenticeship Training (Northern Region), Kanpur. Vice-Chancellor Sudesh said the objective of the MoU was to implement the apprenticeship embedded degree programme. The VC said the MoU would help increase the employability of students, who would receive industrial training alongside their studies, in a bid to ensure that they are ready for a job as soon as they complete their degrees. The MoU would work as a strategic step to bridge the gap between education and industry, she added.

व्यक्तित्व का विकास जरूरी : प्रो. सुदेश

शिविर में कुलपति प्रो . सुदेश छात्राओं को संबोधित करते हुए • सौ. प्रवक्ता

वि ., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो . सुदेश ने कहा कि छात्राओं में आत्मविश्वास पैदा करने के साथ उनके व्यक्तित्व का विकास जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने जरूरी हैं। विश्वविद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कारों का भी समावेश है। उन्होंने शुक्रवार को यह बात विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के शुभारंभ पर कही। पांच दिवसीय शिविर आर्य वीरांगना दल सोनीपत के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। वक्ता डा . नरेश भार्गव ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान कन्या गुरुकुल से है। आजादी से पूर्व महिला शिक्षा व महिला कल्याण के लिए शुरू किया गया कन्या गुरुकुल देश के कोने-कोने में अपनी पहचान बनाए हुए है। विदेश में भी हमारी स्नातिकाएं कन्या गुरुकुल के संस्कारों के साथ आगे बढ़ रही है। अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य सुमिता सिंह ने की। इस मौके पर सार्वदेशिक आर्यवीर दल हरियाणा के सह संचालक संदीप आर्य, आर्य वीर दल के जिला संचालक भगत सिंह, जिला संचालिका पूनम भूटानी, आर्य समाज के जिला अध्यक्ष रविंद्र आर्य ने विचार व्यक्त किए।

पांच दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर का शुभारंभ

शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश

विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया विधिवत शुभारंभ

प्रोफेसर सुदेश ने कहा विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण के किसी भी प्रयोग के लिए बेहतर स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए 5 दिवसीय चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर का शुभारंभ हो गया। आर्य वीरांगना दल सोनीपत के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्य सुमिता सिंह ने की।

भिवानी। कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य अतिथिगणों को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्राचार्य सुमिता सिंह। फोटो : हरिभूमि।

उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए किसी भी प्रकार के प्रयोग के लिए कन्या गुरुकुल व महिला विवि से बढक़र कोई अन्य स्थान नहीं हो सकता है। महिला विवि में शिक्षा के साथ संस्कारों का भी समावेश है।

कन्या गुरुकुल से विवि की पहचानः डॉ भार्गव

डॉ. नरेश भार्गव ने कहा कि महिला विवि की पहचान कन्या गुरुकुल से है। आजादी से पूर्व महिला शिक्षा व महिला कल्याण के लिए शुरू किया गया कन्या गुरुकुल देश के कोने कोने में अपनी पहचान बनाए हुए है। विदेशों में भी हमारी स्नातिकाएं कन्या गुरुकुल के संस्कारों के साथ आगे बढ़ रही हैं। डॉ. भार्गव ने आर्य शब्द का अर्थ उत्कृष्ट, सम्माननीय और मानवता के कल्याण के लिए बताया।

ये रहे मौजूद

सार्वदेशिक आर्यवीर दल के प्रदेश सह संचालक संदीप आर्य, जिला संचालक भगत सिंह व संचालिका आर्य वीरांगना दल सोनीपत पूनम भूटानी, प्रधान आर्य समाज सोनीपत रविंद्र आर्य, सचिव आर्य वीर दल सोनीपत दीपक आर्य ने विचार रखे। कार्यक्रम में विवि के पूर्व छात्रा संघ द्वारा कन्या गुरुकुल की छात्राओं के लिए खेल का सामान भी भेंट किया। इस मौके पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. श्वेता सिंह व विवि कैंपस स्कूल प्राचार्य डॉ. सरोज सिंह मौजूद रहे।